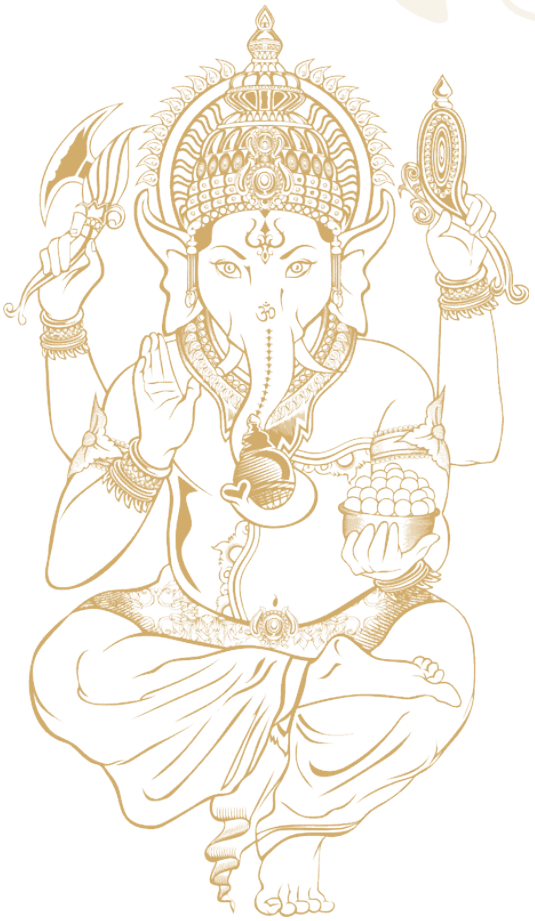

Mr..

20 Nov 2025

05:43 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120253804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/11/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:43:00 घंटे**
इष्ट	27:17:18 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:21:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:24 घंटे
साम्पातिक काल	21:20:56 घंटे
सूर्योदय	06:48:04 घंटे
सूर्यास्त	17:25:30 घंटे
दिनमान	10:37:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:12:27 वृश्चिक
लग्न के अंश	10:06:07 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	अतिगण्ड
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	10:06:07	385:49:10	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	04:12:27	01:00:35	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	06:39:53	11:51:54	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	नीच राशि
मंगल		अ	वृश्चि	17:20:38	00:43:56	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	स्वराशि
बुध	व	अ	वृश्चि	03:55:40	01:21:27	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु	व		कर्क	00:48:11	00:01:46	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	22:47:39	01:15:22	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि	व		मीन	00:59:25	00:00:49	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	20:08:51	00:03:11	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	20:08:51	00:03:11	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:16:06	00:02:31	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:15:55	00:00:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:28:42	00:01:02	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मक	23:34:16	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित

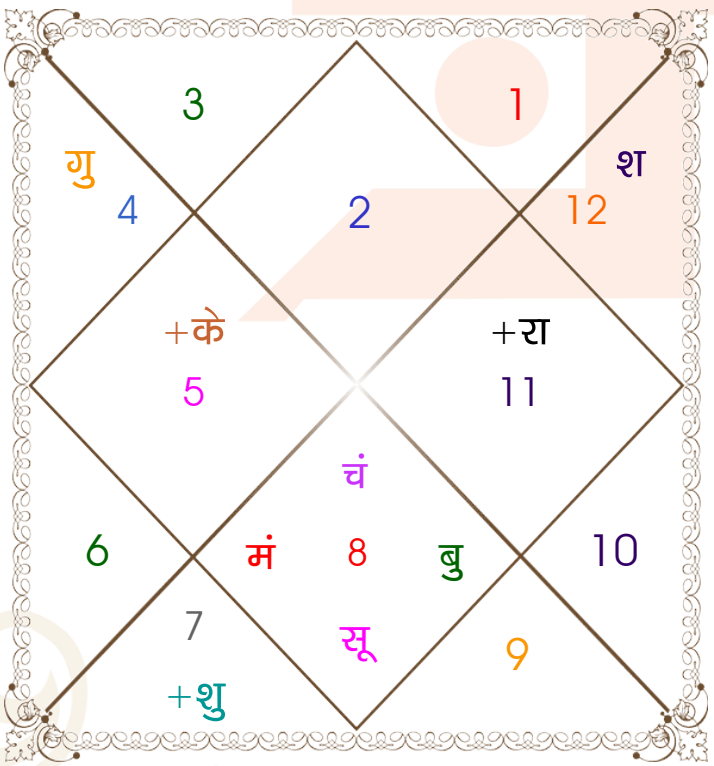

चन्द्र कुंडली

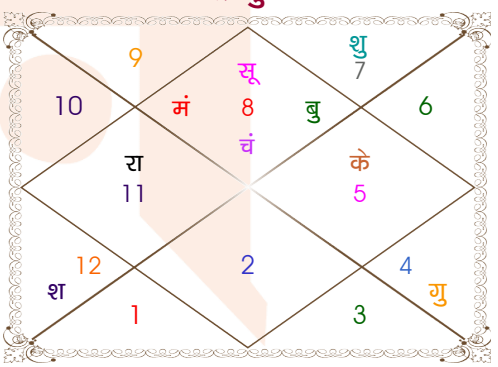

नवमांश कुंडली

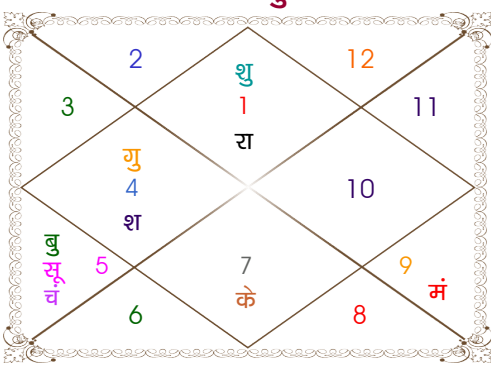

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 14 वर्ष 3 मास 1 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/11/2025		21/02/2040		20/02/2057		21/02/2064		21/02/2084	
21/02/2040		20/02/2057		21/02/2064		21/02/2084		21/02/2090	
	20/11/2025	बुध	20/07/2042	केतु	19/07/2057	शुक्र	23/06/2067	सूर्य	10/06/2084
बुध	03/11/2026	केतु	17/07/2043	शुक्र	19/09/2058	सूर्य	22/06/2068	चंद्र	09/12/2084
केतु	13/12/2027	शुक्र	17/05/2046	सूर्य	24/01/2059	चंद्र	21/02/2070	मंगल	16/04/2085
शुक्र	12/02/2031	सूर्य	23/03/2047	चंद्र	25/08/2059	मंगल	23/04/2071	राहु	11/03/2086
सूर्य	25/01/2032	चंद्र	22/08/2048	मंगल	22/01/2060	राहु	22/04/2074	गुरु	28/12/2086
चंद्र	25/08/2033	मंगल	19/08/2049	राहु	08/02/2061	गुरु	21/12/2076	शनि	10/12/2087
मंगल	04/10/2034	राहु	07/03/2052	गुरु	15/01/2062	शनि	21/02/2080	बुध	15/10/2088
राहु	10/08/2037	गुरु	13/06/2054	शनि	24/02/2063	बुध	22/12/2082	केतु	20/02/2089
गुरु	21/02/2040	शनि	20/02/2057	बुध	21/02/2064	केतु	21/02/2084	शुक्र	21/02/2090

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
21/02/2090		21/02/2100		22/02/2107		21/02/2125		21/02/2141	
21/02/2100		22/02/2107		21/02/2125		21/02/2141		00/00/0000	
चंद्र	22/12/2090	मंगल	20/07/2100	राहु	04/11/2109	गुरु	12/04/2127	शनि	25/02/2144
मंगल	23/07/2091	राहु	08/08/2101	गुरु	30/03/2112	शनि	23/10/2129	बुध	21/11/2145
राहु	21/01/2093	गुरु	15/07/2102	शनि	04/02/2115	बुध	29/01/2132		00/00/0000
गुरु	23/05/2094	शनि	23/08/2103	बुध	23/08/2117	केतु	04/01/2133		00/00/0000
शनि	22/12/2095	बुध	20/08/2104	केतु	10/09/2118	शुक्र	05/09/2135		00/00/0000
बुध	23/05/2097	केतु	16/01/2105	शुक्र	10/09/2121	सूर्य	23/06/2136		00/00/0000
केतु	22/12/2097	शुक्र	18/03/2106	सूर्य	05/08/2122	चंद्र	23/10/2137		00/00/0000
शुक्र	22/08/2099	सूर्य	24/07/2106	चंद्र	04/02/2124	मंगल	29/09/2138		00/00/0000
सूर्य	21/02/2100	चंद्र	22/02/2107	मंगल	21/02/2125	राहु	21/02/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 14 वर्ष 2 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के प्रथम चरण में होना आपके उज्जवल भविष्य का द्य ोतक है। जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ मेष राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण उदित था। परिणामस्वरूप आपका भविष्य पूर्णता युक्त एवं अन्य ग्रहों के सुप्रभाव से राजयोग का निर्माता है। अस्तु आपका जीवन स्तर बहुत उत्तम रहेगा। आपके जन्म का स्वरूप पूर्णतः आपके अनुकूल प्रतीत होता है। आप अपने जीवन का नेतृत्व कर, सुखद एवं सरलता पूर्वक धन संपत्ति से युक्त तथा आनंददायक पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी राशि का प्रतीक बैल है। जो आपमें ईश्वरीय प्रदत्त सदगुणों की समृद्धता प्रकट करता है। आप मृदुभाषी एवं सत् चित्त युक्त है, तथा आप बिना किसी के सहयोग से नहीं मात्र अपने प्रयास से उन्नति प्राप्त करेंगे। क्योंकि यह गुण आप में विद्यमान है। अन्य की तुलना में आप भक्ति भावना से युक्त हैं, तथा आप में गंभीर विषयों के संपादन का निर्देशन शक्ति परिलक्षित होता है।

बुनियादी तौर पर आप किसी के भी साथ व्यक्तिगत रूप से शांतिपूर्ण प्रेमसंबंध स्थापित करते हैं। आप दूसरों के वाद-विवाद से बच कर अथवा प्रेम संबंध में मध्यस्थता नही चाहते हैं। परंतु यदि कोई किसी भी अवसर पर आपको उत्तेजित करता है, प्रतिक्रिया स्वरूप आप उस पर हिंसात्मक प्रहार करते हैं। आपको पूर्ण रूपेण इस प्रवृत्ति को त्याग कर, अपने आवेग को नियंत्रित रखना चाहिए।

आपकी विस्तृत मित्र या मित्र मंडली के द्वारा उत्कृष्ट धन या भूमि का लाभांश की प्राप्ति सहयोगात्मक भावना से युक्त होकर अंतर आत्मा से सहायता आवश्यक हैं।

आप पूंजी निवेश, कठिन परिश्रम तथा सुनियोजित कार्यक्रम द्वारा अधिक धन संग्रह करेंगे। परंतु आप इस प्रकार के समतल आय से संतुष्ट नही होंगे। क्योंकि वास्तव में आपका संबंध क्षेत्र विस्तृत है। इसलिए आप उच्चशिखर तक धन संपत्ति संग्रह करना चाहते हैं।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि आपमें पूर्ण रूपेण धन लो लुप्तता विद्यमान है। प्रायः आपकी कृपणता पर ही आपका अस्तित्व निर्भर करता हैं क्योंकि आपकी मुट्ठी बंधी हुई अर्थात् हृदय अनुदार है।

शारीरिक रूप से आप मध्यम कद के साथ ही चौड़े कंधे एवं उन्नत मांसल स्वस्थ्य एवं प्रसन्नचित्त मुखाकृति के प्राणी होंगे। आपकी ललाट उन्नत, गर्दन झुकी हुई एवं आंखें चमकीली होगी। आपका पारिवारिक वातावरण अन्यों की द्वारा इर्ष्यायुक्त रहेगी। आपके पति-पत्नी का स्नेहमय प्रवृत्ति से आपका घरेलू जीवन प्रसन्नता पूर्ण एवं सगे संबंधियों के साथ प्रगाढ़ मैत्रीपूर्ण तथा सुव्यवस्थित संबंध रहेगा। आप अपने (घर) भवन की सजावट अच्छे-अच्छे साज शय्याओं से युक्त तथा शरीर के लिए आरामदायक वस्तुओं से सुसज्जित रखेंगे। वर्त्तमान काल रंग-बिरंगे चित्रों को पंक्तिबद्ध तरीके से बहुत मात्रा में सुव्यवस्थित ढंग से अपने घर में लगाते हैं।

इसके अतिरिक्त आप पूर्णरूपेण स्वस्थ्य शरीर धारण कर, जीवन का उत्तम आनंद प्राप्त करेंगे। आयु वृद्धि के साथ-साथ आपको गले रोग, कफ एवं शीतप्रकोप, पैर के सूजन आदि रोगों की संभावना के प्रति सतर्क रहें।

आपके लिए व्यवसायिक कार्य हेतु जलीय वस्तुओं का व्यवसाय जैसे मोती, मछलीपालन, सिंघाड़े की खेती आइस क्रीम व्यवसाय, प्रॉप्रार्टी डीलरशिप, भवन संबंधी कार्य एवं ऑटोमोबाइल्स तथा पेट्रोल संबंधित कार्य अनुकूल रहेगा।

आपके लिए भाग्यशाली एवं प्रभावशाली अंक 2 एवं 8 अंक है। अंक 7 एवं 9 अंक भी आपके लिए आकर्षक अंक है। परंतु अंक 5 आपके लिए अनुकूल नही रहेगा। अस्तु इस तारीख से सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए रंग (श्वेत) सफेद गुलीबी, एव हरा रंग अनुकूल है। परंतु लाल रंग आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है।